web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 15 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 346

महत्वपूर्ण एवं खास

नमकीन बनाने के कारखाने में दम घुटने से तीन मजदूरों की हुई मौत

अहमदाबाद (आरएनएस)। शहर में वेजीटेबल पफ बनाने के कारखाने में काम करने वाले तीन मजदूरों की वहां रात में जमा धुएं में दम घुटने से मौत हो गयी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार , यह कारखाना अहमदाबाद के घटलोदिया में भीड़-भाड़ वाली आवासी क्षेत्र केके नगर में एक स्कूल के पास स्थित है। पुलिस निरीक्षक वीआर वाघेला ने कहा कि कारखाने का मेन गेट सुबह बंद मिलने पर स्थानीय लोगों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को तीन लोग फर्श पर बेहोश अवस्था में मिले। पुलिस ने परिसर में गैस रिसाव की आशंका की जांच करने के लिए तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। बाद में तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। दमकल विभाग ने मौके का जायजा लेने के बाद बताया कि परिसर में रात को कोई गैस लीक नहीं हुआ और ना ही वहां आग जल रही थी। जोन-1 के पुलिस उपायुक्त ने कहा कि शुरुआती जांच से लगता है कि कारखाने में ही रहने वाली तीनों मजदूरों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई है। पुलिस ने बताया कि मृत मजदूरों की पहचान इब्राहीम, असलम और हसन के रूप में हुई है।

वर्धा नदी में डूबी नाव, 11 लोगों की मौत व कई लापता

अमरावती (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती में नाव पलटने से भयंकर हादसा हो गया है। इसमें अबतक 11 लोगों की मौत हो चुकी है और कई अभी लापता हैं, जिनका कोई सुराग नहीं है। जानकारी के अनुसार ये हादसा अमरावती में मौजूद वर्धा नदी में हुआ। फिलहाल प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। लापता हुए लोगों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वर्धा जिले में पिछले आठ दिनों से भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। नदी के एक किनारे से दूसरी तरफ जाते समय नौका का हादसे का शिकार हो गई। आशंका जताई जा रही है कि यह हादसा नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार होने के कारण हुआ होगा। इस नाव में 30 से ज्यादा लोग सवार थे। नाव नदी के बीचोबीच डूब गई। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने फौरन राहत कार्य शुरू किया। नांव डूबने की खबर मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और खोज एवं बचाव कार्य जोरों पर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक परिवार के कुछ सदस्य दशक्रिया अनुष्ठान के लिए सुबह करीब 10 बजे गडेगांव आए थे। जब वे लौट रहे थे तभी नाव पलट गई।

पुलवामा में आतंकियों ने किया ग्रेनेड हमला, तीन नागरिक घायल

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए ग्रेनेड हमले में तीन नागरिक घायल हो गए है। आतंकियों ने पुलिस बल को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंका लेकिन चूक गए। ग्रेनेड वहां खड़े नागरिकों के बीच गिरा और ब्लास्ट हो गया। बताया जा रहा है कि जिस वक्त आतंकियों ने हमला किया उस वक्त पुलिस की टीम कहीं जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि घायल नागरिकों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उधर, हमला करने के बाद फरार हुए आतंकियों की तलाश में इलाके की घेराबंदी कर अभियान चलाया जा रहा है। इस हमले के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि आतंकी बौखलाए हुए हैं और वे ओवर ग्राउंड वर्करों का सहारा लेकर ऐसे हमले करवा रहे हैं। बैखलाहट के चलते आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। वह हिट एंड रन के साथ-साथ ग्रेनेड हमलों को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं ताकि सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाया सकें। इतना ही नहीं ऐसी घटनाओं को ओवर ग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) और हाइब्रिड आतंकियों द्वारा अंजाम दिया जा रहा है ताकि अगर उनमें से कोई मारा या पकड़ा भी जाता है तो आतंकी संगठनों को ज़्यादा बड़ा धक्का न लगे। डीजीपी दिलबाग सिंह के मुताबिक कश्मीर में मौजूदा शांतिपूर्ण माहौल को बरकरार रखने के लिए पुलिस आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने श्रीनगर में बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जो नए मॉड्यूल सक्रिय हुए हैं वह पुलिस के रडार पर हैं और उनके खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

किसान आंदोलन से सड़क जाम पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त

» दिल्ली-यूपी, हरियाणा और राजस्थान को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर किसानों के विरोध प्रदर्शन की रिपोर्ट मांगी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मुताबिक उन्हें शिकायत मिली हैं कि इन राज्यों में चल रहे किसान आंदोलन की वजह से नौ हजार से अधिक उद्योग बंद हो चुके हैं। यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। जिसकी वजह से लोगों को, मरीजों,बुजुर्गों और दिव्यांगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही बोर्डरों के बंधक होने की वजह से लोगों को ज्यादा दूरी तय करनी पड़ रही है।

इतना ही नहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी शिकायत मिली है

कि इस आंदोलन की वजह से कुछ जगहों पर लोगों को उनके घरों से भी नहीं निकलने दिया जा रहा। इसके अलावा आन्दोलन स्थलों पर कोविड प्रोटोकॉल की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। राज्यों और अधिकारियों को नोटिस देने के अलावा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आर्थिक विकास संस्थान से भी 10 अक्तूबर तक इस आंदोलन की वजह से उद्द्योग पर पड़े प्रभाव पर एक रिपोर्ट मांगी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण और गृह मंत्रालय से इस आंदोलन में हो रहे कोविड नियमो के उल्लंघन पर भी रिपोर्ट मांगी है।

इसके अलावा मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि प्रदर्शन स्थल पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में झज्जर के डीएम से मृतक के परिजन को मुआवजे के भुगतान के संबंध में कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई थी। इसलिए झज्जर के डीएम 10 अक्टूबर तक रिपोर्ट दाखिल करें। मानवाधिकार आयोग ने आगे कहा कि दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क और दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुरोध है कि वे सर्वेक्षण करने के लिए टीमों की प्रतिनियुक्ति करें और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिसमें किसानों द्वारा लंबे समय तक आंदोलन के कारण आजीविका, लोगों के जीवन, वृद्ध और दुर्बल व्यक्तियों पर प्रभाव का आकलन किया जाए, अधिकार पैनल कहा। गौरतलब है कि पिछले साल 25 नवंबर से विभिन्न राज्यों के किसान दिल्ली-हरियाणा के सिंघू बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर, दिल्ली-उत्तर प्रदेश के गाजीपुर बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और तीन नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर अपना डेरा डाले हुए हैं।

आयोग ने 10 अक्टूबर तक मांगी रिपोर्ट - 1. इसके साथ ही आर्थिक विकास संस्थान को 10 अक्टूबर तक इस आंदोलन की वजह से उद्योंगों पर पड़े प्रभाव पर एक रिपोर्ट मांगी है। साथ ही धरनास्थलों के आस-पास स्थित औद्योगिक इकाइयों के कामगारों को हो रही असुविधा और उनके अतिरिक्त खर्च पर भी रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा आईईजी को गाड़ियों की आवाजाही को लेकर हो रही परेशानी की जांच कर 10 अक्टूबर, 2021 तक इस मामले में एक व्यापक रिपोर्ट देने को कहा गया है।

अफगान शरणार्थियों ने किया तालिबान के विरोध में प्रदर्शन

» पाकिस्तान के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अफगान शरणार्थियों ने मंगलवार को दिल्ली में तालिबान के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी हाथों तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था, आतंकवाद और पाकिस्तान एक सिक्के के एक ही पहलू हैं और आईएसआई अफगानिस्तान छोड़ो और तालिबान के खिलाफ नारे लगाए।

एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि मेरे रिश्तेदार पंजशीर में रह रहे थे। पाकिस्तान एयरफोर्स ने मेरे रिश्तेदारों, मेरे चचेरे भाइयों को मार डाला, इसलिए हम यहां पाकिस्तान का विरोध करने आए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी सपुर ने बताया, आईएसआई हमारे देश में दखल दे रही है। आईएसआई चीफ (अधिग्रहण के दौरान) अफगानिस्तान गए थे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि भारत, पाक आतंकवाद के खिलाफ हमारा समर्थन करे। हम तालिबान और आईएसआई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अफगान प्रतिरोध आंदोलन के समर्थन में नारे भी लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ दिनों पहले जर्मनी में रहने वाले अफगानों ने भी स्वतंत्रता, मानवाधिकार और नागरिक अधिकारों के साथ-साथ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन किया था। इससे पहले 15 अगस्त को, जब तालिबान ने राजधानी काबुल पर नियंत्रण हासिल कर लिया था, तालिबान की मदद करने में इस्लामाबाद की भूमिका के खिलाफ दुनिया भर में पाकिस्तान विरोधी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए थे। तालिबान के खिलाफ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रिया में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें अफगानिस्तान में उनके आक्रामक और बर्बर कृत्यों की निंदा की गई।

वैष्णव ने 2024 से पहले कश्मीर को रेल मार्ग से देश के साथ जोड़ने का किया वादा

जम्मू (आरएनएस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सरकार का मिशन अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचने का है और इस उदेश्य को ध्यान में रख कर कश्मीर घाटी को वर्ष 2024 से पहले पूरे देश के साथ रेल मार्ग के जरिए जोड़ दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने का उल्लेख करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि सरकार ने पिछले सात वर्षों में इस दिशा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि देश के दूरस्थ क्षेत्रों को मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी के माध्यम से जोड़ने के लिए व्यवस्थित सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य सार्वभौमिक इंटरनेट सुविधा मुहैया कराना है। श्री वैष्ण केंद्र सरकार की पब्लिक आउटरीच पहल के तहत जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। जम्मू-पुंछ रेलवे लिंक के संबंध में रेल मंत्री ने कहा है कि इस पर तेजी से काम किया गया है और क्षेत्र के आवश्यक कार्यो को पूरा करने के बाद इसे पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने जम्मू रेलवे स्टेशन, जानीपुर क्षेत्र में एक सामुदायिक सेवा केंद्र (सीएससी) का भी दौरा किया और जनता को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जम्मू-कश्मीर ई-गवर्नेंस एजेंसी (जेकेईजीए) के अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को विभाग के कामकाज और आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई, ई-श्रम और अन्य ई-गवर्नेंस सुविधाओं जैसी सरकारी सुविधाओं को लोगों को प्रदान करने में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी।

ओडिशा में भारी बारिश से 3 की मौत, 19 लाख से अधिक लोग हुए प्रभावित

भुवनेश्वर (आरएनएस)। ओडिशा के 11 जिलों के 19.53 लाख से अधिक लोग रविवार सुबह से राज्य में हो रही भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) के कार्यालय द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, 11 जिलों के 2,789 गांवों में 19.53 लाख से अधिक लोग लगातार बारिश से प्रभावित हुए हैं। 11 जिले कालाहांडी, कंधमाल, कोरापुट, कटक, जाजपुर, पुरी, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, ढेंकनाल, खोरधा और अंगुल हैं। सरकार ने कहा कि उसने पांच प्रभावित जिलों के निचले इलाकों से 3,819 लोगों को निकाला है जबकि नौ प्रभावित जिलों में 265 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को राज्य में तीन, केंद्रपाड़ा से दो की दीवार गिरने से और एक की डूबने से मौत होने की खबर खोरधा जिले से है। लगातार बारिश के बाद ओडिशा की प्रमुख नदियां उफान पर हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महानदी का जलस्तर विभिन्न स्थानों पर बढ़ रहा है। जलाका नदी महतानी में 05.60 मीटर पर बह रही है जबकि खतरे का स्तर 05.50 मीटर है। भारी

बारिश को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने सभी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी है।

पुरी, खोरधा, कटक, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, ढेंकनाल, नयागढ़, संबलपुर, देवगढ़, अंगुल, सोनपुर और बरगढ़ के सभी स्कूल दो दिन- 13 और 14 सितंबर के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि उत्तरी तटीय ओडिशा पर गहरा दबाव पिछले छह घंटों के दौरान 13 किमी प्रतिघंटे की गति के साथ पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया, और क्योंझर के करीब केंद्रित था। आईएमडी ने कहा कि अगले 48 घंटों के दौरान यह उत्तर छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा और बाद के 12 घंटों के दौरान एक दबाव में कमजोर होने की संभावना है।

एम्स से 17 सितंबर तक पेश करे लड़की की आयु निर्धारण रिपोर्टः सुको

» गोरखपुर से अगुवा हुई थी लड़की

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गोरखपुर से लापता हुई और दिल्ली पुलिस द्वारा बरामद की गई लड़की की उम्र के बारे में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को मंगलवार को अपनी रिपोर्ट 17 सितंबर तक देने का निर्देश दिया है। यह लड़की आठ जुलाई को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से लापता हो गई थी और उसे दिल्ली पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में बरामद किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आगे के कदमों पर फैसला लड़की की आयु निर्धारण रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा। लड़की की मां के अनुसार, लड़की करीब 15-16 वर्ष की है, लेकिन आधार कार्ड में उसकी

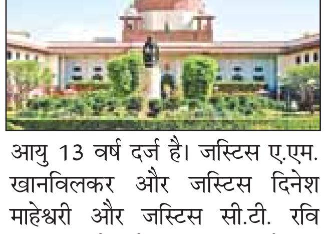

आयु 13 वर्ष दर्ज है। जस्टिस ए.एम. खानविलकर और जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सी.टी. रवि कुमार की बेंच ने वरिष्ठ वकील के.वी. विश्वनाथन के दो सहायक वकीलों को लड़की से बात करने की इजाजत दी। कोर्ट ने विश्वनाथन को लड़की की ओर से पेश होने के लिए नियुक्त किया है। बेंच ने कहा कि हम एम्स दिल्ली के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे लड़की की आयु निर्धारण संबंधी रिपोर्ट सुनवाई की अगली तारीख से पहले देना सुनिश्चित करें। सुनवाई की अगली तारीख 17 सितंबर है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आठ जुलाई को लड़की के लापता होने की घटना को लेकर दर्ज मामले की जांच सात सितंबर को दिल्ली पुलिस को सौंप दी थी, जिसने उस लड़की को बरामद कर कथित अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया था।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान विश्वनाथन ने कहा कि उन्होंने दो स्टेटस रिपोर्ट देखीं और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आर.एस. सूरी तथा लड़की की मां की ओर से पेश वकील के सुझावों पर भी गौर किया। उन्होंने कहा कि लड़की की आयु का निर्धारण करना ही होगा क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक, वह गर्भवती है, लेकिन अल्ट्रासाउंड में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। विश्वनाथन ने कहा कि उनके दो सहायक वकीलों को लड़की से बात करने की इजाजत दी जाए। लड़की अभी बाल गृह में रह रही है। इस पर बेंच ने कहा कि हम आपके सुझाव को तत्काल ही स्वीकार करते हैं। हम इन वकीलों को लड़की से बात करने की अनुमति देते हैं।

सूरी ने बेंच से कहा कि लड़की ने उस व्यक्ति से विवाह कर लिया है, जिसने कथित तौर पर उसका अपहरण किया था। इस पर बेंच ने कहा कि अगर लड़की नाबालिग है तो विवाह मान्य नहीं होगा। इस पर बाद में विचार करेंगे। सूरी ने जब यह कहा कि बताया जा रहा है कि गर्भावस्था शुरुआती चरण में है और गर्भपात करना सही निर्णय होगा तो बेंच ने कहा कि इस बारे में आयु निर्धारण रिपोर्ट के बाद ही विचार किया जाएगा।

24 सितंबर को पीएम मोदी जाएंगे अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र महासभा में लेंगे भाग

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 एवं 25 सितंबर को अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे जिसमें वह अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं के साथ चतुष्कोणीय (चाड) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक अधिवेशन को भी संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज सुबह यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि श्री मोदी 24 सितंबर को वाशिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर. बिडेन के साथ चतुष्कोणीय ढांचे (चार्डिलेटेरल फ्रेमवर्क) के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में 12 मार्च को वर्चुअल प्रकार से हुई शिखर बैठक के बाद प्रगति की समीक्षा की जाएगी और समान हितों के क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में कोविड महामारी को नियंत्रित करने के प्रयासों और चाड टीकाकरण पहल की समीक्षा की जाएगी। नेता स्वतंत्र, मुक्त एवं समावेशी हिन्द प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए अपने समान दृष्टिकोण पर विचार मंथन करेंगे। इसके अलावा महत्वपूर्ण एवं नयी उभरती प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी एवं अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता, आपदा राहत, जलवायु परिवर्तन एवं शिक्षा जैसे समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

रेलवे कराएगा नेपाल तक श्रीराम दर्शन, 7 नवंबर को दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से रवाना होगी विशेष ट्रेन

नई दिल्ली (आरएनएस)। राम भक्तों को रेलवे देशभर के राम मंदिरों के साथ ही नेपाल के राम जानकी मंदिर तक की यात्रा अनूठी यात्रा करा रहा है। सात नवंबर से 17 दिन की इस यात्रा के लिए आईआरसीटीसी विशेष ट्रेन चला रहा है। इसमें भगवान राम के जीवन से जुड़े तमाम स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। देखो अपना देश थीम पर चलने वाली यह ट्रेन डीलक्स एसी होगी।

यह ट्रेन दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सात नवंबर को रवाना होगी। यहां यह सीधे भगवान की जन्मस्थली अयोध्या जाएगी। वहां यात्रियों को राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान मंदिर व नंदीग्राम में भरत मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। अयोध्या के बाद यह ट्रेन सीतामढ़ी जाएगी। सीतामढ़ी में जानकी जन्म स्थान नेपाल के जनकपुर स्थित राम जानकी मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। ट्रेन का अगला पड़ाव भगवान शिव की नगरी काशी होगा। वहां से पर्यटक बसों द्वारा काशी के प्रसिद्ध मंदिरों सहित सीता समाहित स्थल, प्रयाग, श्रृंगवेरपुर व चित्रकूट की यात्रा करेंगे। इस दौरान काशी, प्रयाग व चित्रकूट में रात्रि विश्राम होगा।

7500 किलोमीटर का सफर करेगी- यह ट्रेन चित्रकूट से नासिक पहुंचेगी। जहां पंचवटी व त्रयंबकेश्वर मंदिर का भ्रमण किया जा सकेगा। नासिक के पश्चात प्राचीन किष्किंधा नगरी हंपी इस ट्रेन का अगला पड़ाव होगा। वहां अंजनी पर्वत स्थित हनुमान जन्म स्थल व अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक व विरासत मंदिरों का दर्शन कराया जाएगा। इस ट्रेन का अंतिम पड़ाव रामेश्वरम होगा। रामेश्वरम में पर्यटकों को प्राचीन शिव मंदिर व धनुषकोडी का दर्शन लाभ होगा। रामेश्वरम से चलकर यह ट्रेन 17वें दिन दिल्ली वापस पहुंचेगी। इस दौरान ट्रेन द्वारा लगभग 7500 किलोमीटर की यात्रा पूरी की जाएगी।

ट्रेन में लाइब्रेरी से लेकर फुट मसाजर तक- आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन पूर्णतया वातानुकूलित है। इसमें यात्री कोच के अतिरिक्त दो रेल डाइनिंग रेस्तरां एक आधुनिक किचन कार व यात्रियों के लिए फुट मसाजर, मिनी लाइब्रेरी, आधुनिक एवं स्वच्छ शौचालय और शॉवर क्यूबिकल आदि की सुविधा भी होगी। सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड, इलेक्ट्रॉनिक लॉकर एवं सीसीटीवी कैमरे भी प्रत्येक कोच में उपलब्ध रहेंगे।

एक लाख रुपए तक का पैकेज- यह विशेष पर्यटक ट्रेन, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की पहल देखो अपना देश के अनुरूप, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही है। आईआरसीटीसी ने एसी प्रथम श्रेणी की यात्रा के लिए एक लाख दो हजार 95 रुपये प्रति व्यक्ति एवं एसी द्वितीय श्रेणी की यात्रा के लिए 82950 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क लिया जाएगा। इस यात्रा पैकेज में यात्रियों को स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन, वातानुकूलित बसों द्वारा पर्यटक स्थलों का भ्रमण, एसी होटलों में ठहरने की व्यवस्था, गाइड व इंश्योरेंस आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकारी/ पीएसयू के कर्मचारी यात्रा के लिए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर पात्रता के अनुसार एलटीसी सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं। इस यात्रा की बुकिंग के लिए 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक यात्री को कॉविड के टीके का दोनों डोज लगा होना अनिवार्य है।